हिन्दी साहित्य परिषद्

संत ज़ेवियर कॉलेज, रांची

"विश्व हिन्दी दिवस"

दिनांक : 10 जनवरी 2024

संत ज़ेवियर कॉलेज, राँची हिन्दी विभाग एवं हिन्दी साहित्य परिषद के तत्त्वावधान में "विश्व हिन्दी दिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही। इस कार्यक्रम का सफल संचालन स्नातकोत्तर सेम 3 की छात्रा नेहा कुमारी गुप्ता ने की। इस मौक़े पर हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि मातृभाषा गर्भ से जुड़ी भाषा है उन्होंने डॉ. फादर कामिल बुल्के की इन पंक्तियों को भी याद किया- "संस्कृत महारानी है, हिन्दी बहुरानी है तथा अंग्रेज़ी नौकरानी है" इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इन हिन्दी भाषा जिह्वा के समान है। जिह्वा हमेशा दाँतों से घिरी रहती है किंतु निर्भय होकर अपना अस्तित्व बचाए रखते हुए दाँतों का हित करती है।

वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुनील कुमार भाटिया ने विश्व हिन्दी दिवस की सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिन्दी को तराशना तथा परिष्कृत कर शुद्ध उच्चारण एवं लेखन करना हम सबकी ज़िम्मेदारी है।

प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार ने भाषा की वैज्ञानिकता और वैश्विक स्तर पर हिन्दी के महत्त्व तथा विभिन्न कार्यक्षेत्रों की जानकारी दी।

सहायक प्राध्यापिका सुश्री कोमल खलखो ने हिन्दी की उपयोगिता एवं उसके विस्तार की बात करते हुए कहा कि हिन्दी हमारी प्रतिष्ठा एवं मान-सम्मान की भाषा है।

GPS Map Camera
Ranchi, Jharkhand, India
Pathalkudwa, Nayatoli, Ranchi, Jharkhand 834001, India
Lat 23.367516°
Long 85.325469°
10/01/24 11:42 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Ranchi, Jharkhand, India
St. Xaviers College Main Building, Purulia Rd, Pathalkudwa, Nayatoli, Ranchi, Jharkhand 834001, India
Lat 23.36754°
Long 85.325499°
10/01/24 11:43 AM GMT +05:30
Google

संत जेवियर कॉलेज में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन

रांची। संत जेवियर कॉलेज, रांची हिन्दी विभाग एवं हिन्दी साहित्य परिषद के तत्त्वावधान में 'विश्व हिन्दी दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही। इस कार्यक्रम का सफल संचालन पीजी सेमेस्टर-तीन की छात्रा नेहा कुमारी गुप्ता ने की। इस मौके पर हिन्दी विभागाध्यक्ष डा.जय प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि मातृभाषा गर्भ से जुड़ी भाषा है उन्होंने डा.फादर कामिल बुल्के की इन इन पंक्तियों को भी याद किया, संस्कृत महारानी है, हिन्दी बहुरानी है तथा अंग्रेजी नौकरानी है) इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इन हिन्दी भाषा जिह्वा के समान है। जिह्वा हमेशा दांतों से घिरी रहती है किंतु निर्भय होकर अपना अस्तित्व बचाए रखते हुए दांतों का हित करती है।वरिष्ठ प्राध्यापक डा. सुनील कुमार भाटिया ने विश्व हिन्दी दिवस की सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिन्दी को तराशना तथा परिष्कृत कर शुद्ध उच्चारण एवं लेखन करना हम सबकी जिम्मेदारी है। प्राध्यापक डा. संजय कुमार ने भाषा की वैज्ञानिकता और वैश्विक स्तर पर हिन्दी के महत्त्व तथा विभिन्न कार्यक्षेत्रों की जानकारी दी। सहायक प्राध्यापिका कोमल खलखो ने हिन्दी की उपयोगिता एवं उसके विस्तार की बात करते हुए कहा कि हिन्दी हमारी प्रतिष्ठा एवं मान- सम्मान की भाषा है।

रांची जागरण

मातृभाषा गर्भ से जुड़ी भाषा है : डा. जयप्रकाश

जासं, रांची : संत जेवियर्स कालेज रांची के हिंदी विभाग एवं हिंदी साहित्य परिषद के द्वारा विश्व हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर हिंदी विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों की भागीदारी रही। इस कार्यक्रम का सफल संचालन पीजी सेमेस्टर 3 की छात्रा नेहा कुमारी गुप्ता ने किया। हिंदी विभागाध्यक्ष डा. जयप्रकाश पांडेय ने कहा कि मातृभाषा गर्भ से जुड़ी भाषा है।

गर्भ से जुड़ी भाषा है मातृभाष

संत ज़ेवियर कॉलेज में मना विश्व हिन्दी दिवस

ranchi@inext.co.in

RANCHI (10 Jan) : संत ज़ेवियर कॉलेज,रांची हिन्दी विभाग एवं हिन्दी साहित्य परिषद के तत्त्वावधान में विश्व हिन्दी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर हिन्दी विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही. इस कार्यक्रम का सफल संचालन पीजी सेमेस्टर-3 की छात्रा नेहा कुमारी गुप्ता ने की. इस मौक़े पर हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि मातृभाषा गर्भ से जुड़ी भाषा है उन्होंने डॉ. फादर कामिल बुल्के की इन पंक्तियों को भी याद किया संस्कृत महारानी है, हिन्दी बहुरानी है तथा अंग्रेज़ी नौकरानी है इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इन हिन्दी भाषा जिह्वा के समान है. जिह्वा हमेशा दांतों से घिरी रहती है किंतु निर्भय होकर अपना अस्तित्व बचाए रखते हुए दांतों का हित करती है.

सबकी ज़िम्मेदारी है

वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुनील कुमार भाटिया ने विश्व हिन्दी दिवस की सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिन्दी को तराशना तथा परिष्कृत कर शुद्ध उच्चारण एवं लेखन करना हम सबकी ज़िम्मेदारी है. प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार ने भाषा की वैज्ञानिकता और वैश्विक स्तर पर हिन्दी के महत्त्व तथा विभिन्न कार्यक्षेत्रों की जानकारी दी. सहायक प्राध्यापिका सुश्री कोमल खलखो ने हिन्दी की उपयोगिता एवं उसके विस्तार की बात करते हुए कहा कि हिन्दी हमारी प्रतिष्ठा एवं मान- सम्मान की भाषा है.

हिन्दी साहित्य परिषद्
संत ज़ेवियर कॉलेज, रांची

"कवि जयशंकर प्रसाद की 135वीं जयंती समारोह"

दिनांक : 30 जनवरी 2024

हिन्दी विभाग एवं हिन्दी साहित्य परिषद् के तत्त्वावधान में संत ज़ेवियर कॉलेज, राँची में छायावाद के सुप्रसिद्ध कवि जयशंकर प्रसाद की 135वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसका विषय था- "प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व"

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। इस मौक़े पर हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. जयप्रकाश पांडेय ने जयशंकर प्रसाद को युग पुरुष बताते हुए उनकी कालजयी कृतियों को राष्ट्रीयता एवं जन जागरण की भावना से ओत-प्रोत बताया।

वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुनील कुमार भाटिया ने कहा कि अगर विचारों के हीरे मोती हमें चाहिए तो जयशंकर प्रसाद की कृतियों को पढ़ना चाहिए।

हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार ने कहा कि जयशंकर प्रसाद जैसे रचनाकार न तो बनाये जाते हैं और न ही बनते हैं बल्कि जन्मजात होते हैं। इसके साथ-साथ सहायक प्राध्यापिका कोमल खलखो ने उनकी रचना 'कामायनी' को समरसता एवं विश्व कल्याण की भावना से अनुप्राणित बताया।

कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन परास्नातक की छात्रा नेहा गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में परास्नातक एवं स्नातक के विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

GPS Map Camera
Ranchi, Jharkhand, India
St. Xaviers College Main Building, Purulia Rd, Pathalkudwa, Nayatoli, Ranchi, Jharkhand 834001, India
Lat 23.367652°
Long 85.32545°
30/01/24 11:19 AM GMT +05:30
Google

1889 - 1937
GPS Map Camera
Ranchi, Jharkhand, India
Mahatma Gandhi Main Rd, Pathalkudwa, Nayatoli, Ranchi, Jharkhand 834001, India
Lat 23.367668°
Long 85.325049°
30/01/24 11:18 AM GMT +05:30
Google

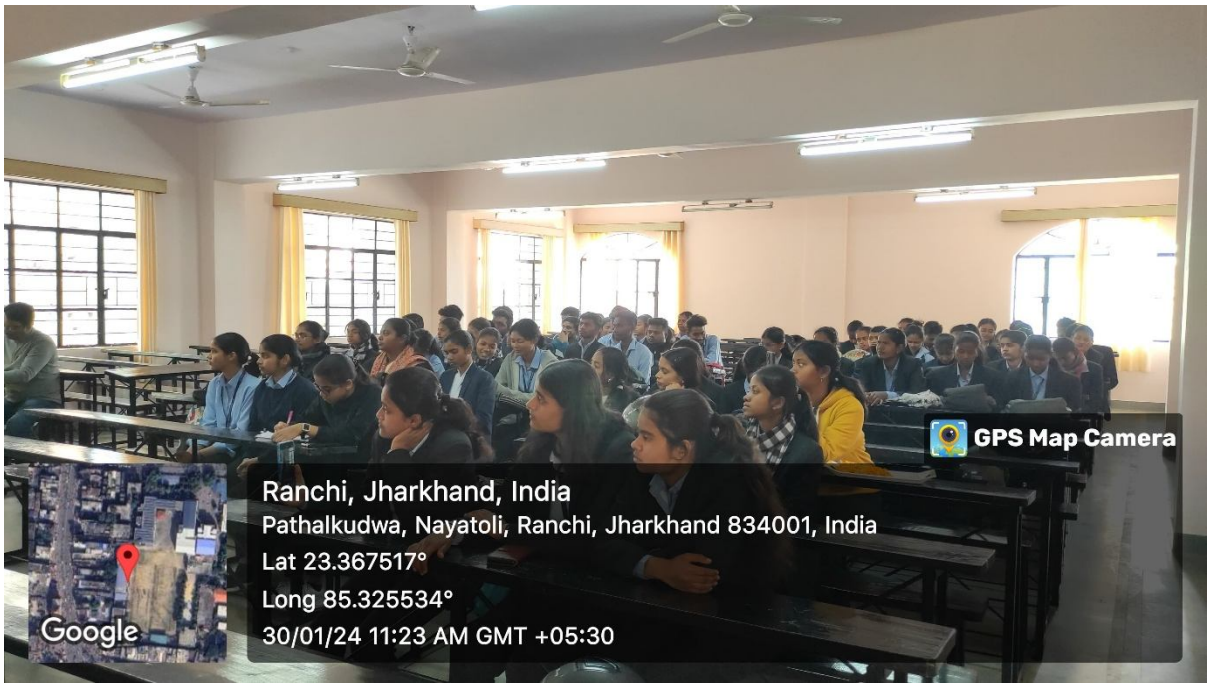
GPS Map Camera
Ranchi, Jharkhand, India
Pathalkudwa, Nayatoli, Ranchi, Jharkhand 834001, India
Lat 23.367517°
Long 85.325534°
30/01/24 11:23 AM GMT +05:30
Google

1889 ई. - 1937 ई.
GPS Map Camera
Ranchi, Jharkhand, India
St. Xaviers College Main Building, Purulia Rd, Pathalkudwa, Nayatoli, Ranchi, Jharkhand 834001, India
Lat 23.36764°
Long 85.325489°
30/01/24 11:52 AM GMT +05:30
Google

'विचारों के हीरे-मोती चाहिए तो जयशंकर प्रसाद की कृति को पढ़ें'

संत जेवियर्स कालेज के हिंदी विभाग में छायावाद के सुप्रसिद्ध कवि जयशंकर प्रसाद की 135वीं जयंती मनाई गई

जासं, रांची : हिंदी विभाग एवं हिंदी साहित्य परिषद् के द्वारा संत जेवियर्स कालेज रांची में छायावाद के सुप्रसिद्ध कवि जयशंकर प्रसाद की 135वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसका विषय प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। मौके पर हिंदी विभागाध्यक्ष डा. जयप्रकाश पांडेय ने जयशंकर प्रसाद को युग पुरुष बताते हुए उनकी कालजयी कृतियों को राष्ट्रीयता एवं जन जागरण की भावना से ओत-प्रोत बताया। वरिष्ठ प्राध्यापक डा. सुनील कुमार भाटिया ने कहा कि अगर विचारों के हीरे मोती हमें चाहिए तो जयशंकर प्रसाद की कृतियों को पढ़ना चाहिए। हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. संजय कुमार ने कहा कि जयशंकर प्रसाद जैसे रचनाकार न तो बनाए जाते हैं और न ही बनते हैं बल्कि जन्मजात होते हैं। इसके साथ साथ सहायक प्राध्यापिका कोमल खलखो ने उनकी रचना कामायनी को समरसता एवं विश्व कल्याण की भावना से अनुप्राणित बताया। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन छात्रा नेहा गुप्ता ने किया।

संत जेवियर कालेज में आयोजित जयशंकर प्रसाद की जयंती कार्यक्रम में शामिल वक्ता।

जयशंकर प्रसाद की जयंती मनायी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हिंदी विभाग एवं हिंदी साहित्य परिषद् के तत्वावधान में संत जेवियर कॉलेज, रांची में छायावाद के सुप्रसिद्ध कवि जयशंकर प्रसाद की 135वीं जयंती मनायी गयी।

इस अवसर पर परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसका विषय था- प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। इस मौके पर हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ जयप्रकाश पांडेय ने जयशंकर प्रसाद को युग पुरुष बताते हुए उनकी कालजयी कृतियों को राष्ट्रीयता एवं जन जागरण की भावना से ओत-प्रोत बताया।

वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुनील कुमार भाटिया ने कहा कि अगर विचारों के हीरे-मोती हमें चाहिए तो जयशंकर प्रसाद की कृतियों को पढ़ना चाहिए। हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार ने कहा कि जयशंकर प्रसाद जैसे रचनाकार न तो बनावे जाते हैं और न ही बनते हैं, बल्कि जन्मजात होते हैं। इसके साथ-साथ सहायक प्राध्यापिका कोमल खलखो ने उनकी रचना कामायनी को समरसता एवं विश्व कल्याण की भावना से अनुप्राणित बताया।

कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन परास्नातक की छात्रा नेहा गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में परास्नातक एवं स्नातक के विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

संत जेवियर्स कॉलेज में जयशंकर प्रसाद की 135वीं जयंती मनायी

रांची. संत जेवियर्स कॉलेज के हिंदी विभाग और हिंदी साहित्य परिषद के तत्वावधान में मंगलवार को कवि जयशंकर प्रसाद की 135वीं जयंती मनायी गयी. इस मौके पर हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ जयप्रकाश पांडेय ने जयशंकर प्रसाद को युग पुरुष बताते हुए उनकी कालजयी कृतियों को राष्ट्रीयता एवं जन जागरण की भावना से ओत-प्रोत बताया. वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ सुनील कुमार भाटिया ने कहा कि अगर हमें विचारों के हीरे मोती चाहिए, तो जयशंकर प्रसाद की कृतियों को पढ़ना चाहिए. डॉ संजय कुमार ने कहा कि जयशंकर प्रसाद जैसे रचनाकार न तो बनाये जाते हैं और न ही बनते हैं, बल्कि जन्मजात होते है. सहायक प्राध्यापिका कोमल खलखो ने उनकी रचना कामायनी को समरसता और विश्व कल्याण की भावना से प्रेरित बताया. इस अवसर पर नेहा गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे.